तापमान
अधिकतम 40 .4 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

10 अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंची संत रविदास ...

10 दस लाख से सुलझा 34 साल पुराना संपत्ति विवाद ..

खबर संक्षेप

डॉ. राज रतन यूपीएससी में उप निदेशक बने

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राज रतन का संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में उप निदेशक (परीक्षा सुधार) के प्रतिष्ठित पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। डॉ. राज रतन ने शैक्षणिक क्षेत्र में आने से पहले भारतीय नौसेना में 15 वर्षों तक सेवाएं दीं। इसके बाद उन्होंने हरियाणा के उच्च शिक्षा विभाग में भी कार्य किया। वर्तमान में वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अध्यापन, शोध और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, माता-पिता, परिवार, गुरुजनों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों को दिया।

श्री कृष्ण और राधा पर आपत्तिजनक कमेंट

यमुनानगर। फेसबुक पर शौर्य मेहला नाम की आईडी से भगवान श्री कृष्ण व राधा के बारे अश्लील व आपत्तिजनक वीडियो सेंड की गई। पुलिस ने सुभाष नगर निवासी जयंत स्वामी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में केस दर्ज किया है। सुभाष नगर निवासी जयंत स्वामी ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 जुलाई को फेसबुक आईडी शौर्य मेहला के अकाउंट से भगवान श्री कृष्णा व राधा माता के बारे में आपत्तिजनक व अश्लील कमेंट वीडियो सेंड किए गए। जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरों ने घर से नकदी व मोबाइल चुराई, केस दर्ज

यमुनानगर। शहर की आनंद कॉलोनी में चोरों ने घर में घुसकर 18 हजार रुपये की नकदी व मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की आनंद कॉलोनी निवासी जमशीदा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 11 जुलाई को घर का ताला लगाकर किसी काम से घर से बाहर गई थी। 12 जुलाई को घर वापस लौटी तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से 18 हजार रुपये व एक मोबाइल गायब मिला।

रंजिश में हमला, डेढ़ दर्जन आरोपियों पर केस

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांव कलेसर में रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद 16 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता मिसरीयान ने बताया कि गांव के लालदीन व अरशद से हुए पुराने विवाद के चलते 11 जुलाई को आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर थप्पड़ों और मुक्कों से हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पानीपतः हादसे में युवक की मौत

पानीपत। पानीपत की पुलिस लाइन के पास शुक्रवार की रात को अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक चालक अमित निवासी गांव सिवाह की मौत हो गई। जबकि अमित के साथ सवार दो युवक भी घायल हो गए। इधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद अमित का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई जांच में बढ़ा घोटाले का दायरा, तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा पर एक और एफआईआर

गेहूं घोटाला: 9951 और बैग गायब नुकसान बढ़कर 4.49 करोड़ पहुंचा

अब तक 16,355 बैगों की कमी, रिकॉर्ड नहीं सौंपने पर तत्कालीन कस्टोडियन पर विभागीय कार्रवाई तेज

गेहूं के चट्टों के बीच से कट्टे निकाल कर छिपाया गया था गबन, रिकवरी की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कुंजपुरा स्थित सरकारी गोदाम में गेहूं गबन का मामला लगातार गहराता जा रहा है। ताजा विभागीय जांच में 9951 गेहूं के बैग और गायब पाए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 2.72 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ कुंजपुरा थाने में एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। इससे पहले भी हजारों बैग कम मिलने के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है।

जांच के दौरान सामने आया कि गोदाम के स्टॉक का कई चरणों में सत्यापन किया गया और हर बार गड़बड़ी का दायरा बढ़ता गया। सबसे पहले खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निर्देश पर हुई जांच में 4904 गेहूं के बैग कम मिले थे। इसके बाद विजिलेंस जांच में 9585 बैग कम पाए गए। तीन जुलाई को शिकायतकर्ता विकास शर्मा की मौजूदगी में कराए गए भौतिक सत्यापन में करीब 1500 बैग खराब हालत में मिले। वहीं 15 जुलाई को निदेशक स्तर की जांच में बचे स्टॉक में 327 बैग और कम पाए गए। अंतिम जांच में स्पष्ट हुआ कि पहली जांच के बाद अलग रखे गए स्टॉक से भी 9951 बैग गायब हो चुके थे।

करनाल। कुंजपुरा स्थित सरकारी गेहूं गोदाम, जहां जांच में हजारों गेहूं के बैग गायब मिलने का मामला सामने आया।

विभागीय आकलन के अनुसार अब तक 4904 बैग गायब, 9951 अतिरिक्त बैग गायब और 1500 बैग खराब होने की पुष्टि हो चुकी है। इस तरह कुल 16,355 बैगों का नुकसान सामने आया है। प्रति बैग औसत कीमत 2750 रुपये के आधार पर विभाग ने कुल नुकसान लगभग 4.49 करोड़ रुपये आंका है, जिसे अब तक के सबसे बड़े सरकारी अनाज घोटालों में शामिल माना जा रहा है।

जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि निलंबन और पद से हटाए जाने के बावजूद तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा ने गोदाम का पूरा रिकॉर्ड विभाग को नहीं सौंपा। विभाग की ओर से कई बार पत्र भेजकर रिकॉर्ड जमा कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि मामले की जांच के लिए गठित नई टीम को क्लीन चिट दे दी गई है। टीम ने गोदाम के स्टॉक का भौतिक सत्यापन, वीडियोग्राफी और दस्तावेजों की जांच के बाद उसकी कार्यप्रणाली को सही पाया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि गोदाम में रखे गेहूं के चट्टों के बीच से कट्टे निकाल लिए गए थे, ताकि बाहर से देखने पर स्टॉक पूरा दिखाई दे और गड़बड़ी पकड़ में न आए। अब विभाग अशोक शर्मा के खिलाफ विभागीय चार्जशीट जारी कर सरकारी गेहूं की कीमत की रिकवरी करेगा। वहीं पुलिस दर्ज एफआईआर के आधार पर आपराधिक जांच को आगे बढ़ाएगी और यह पता लगाएगी कि इस गबन में अन्य अधिकारी, कर्मचारी या बाहरी लोग भी शामिल थे या नहीं।

बच्चों के साथ गली में खेलते समय हादसा

खुले नाले में गिरने से तीन वर्षीय बच्ची की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर की विजय कॉलोनी में बच्चों के साथ गली में खेल रही तीन वर्षीय बच्ची की खुले नाले में गिरने से मौत हो गई। बच्ची का शव नाले के तेज बहाव में बहकर रेलवे लाइनों के पार पटेल नगर के पास एक छोटी पुलिया में फंसा मिला। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है, जबकि कॉलोनी के लोगों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है। शहर की विजय कॉलोनी निवासी तीन वर्षीय बच्ची पलक अन्य बच्चों के साथ गली में खेल रही थी। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गई। काफी देर तक आसपास तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से खोजबीन तेज कर दी। स्थानीय लोगों ने गली के कोने पर स्थित एक फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी। फुटेज में बच्ची के गली से बाहर नहीं जाने की जानकारी मिलने पर लोगों का शक पास से गुजर रहे खुले नाले पर गया। इसके बाद कुछ लोगों ने नाले में तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद बच्ची का शव पटेल नगर के पास पुलिया में फंसा मिला। पीड़ित परिवार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद परिजन बच्ची के शव को लेकर अपने पैतृक गांव रवाना हो गए। हादसे के बाद विजय कॉलोनी के लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

भैंसी माजरा के पूर्व सरपंच के भतीजे की टैंक में डूबने से मौत

कुरुक्षेत्र। भैंसी माजरा गांव में खेत के पास बने 15 फीट गहरे ओपन टैंक में डूबने से 35 वर्षीय किसान नवीन कुमार की मौत हो गई। वह गांव के पूर्व सरपंच राजकुमार उर्फ राजू का भतीजा था। नवीन सुबह अपने खेत पर गया था, लेकिन देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई।इसी दौरान पड़ोसी ने खेत में नवीन की बाइक खड़ी देखी। टैंक के किनारे उसके कपड़े और चप्पल पड़े मिले, जिसके बाद अनहोनी की आशंका पर परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे गोताखोर प्रगट सिंह ने काफी प्रयास के बाद टैंक से नवीन का शव बाहर निकाला।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नवीन संभवतः नहाने के लिए टैंक में उतरा था, लेकिन गहरे पानी में फंसने के कारण बाहर नहीं निकल सका और उसकी डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।नवीन खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गया है। उसकी अचानक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुरुक्षेत्रः फर्जी पेस्टीसाइड फर्म से करोड़ों की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। साइबर थाना पुलिस ने फर्जी पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी विक्रम सिंह और शिवम (कैथल निवासी, हाल निवासी कुरुक्षेत्र) के साथ फर्जी लेबल और पैकेजिंग डिजाइन करने वाले सुखराज (बसंत विहार, करनाल) को भी गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार म्यूल अकाउंट की जांच के दौरान संदिग्ध बैंक लेनदेन का पता चला। तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी फर्जी फर्म बनाकर विभिन्न राज्यों के लोगों को डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का झांसा देते थे। बड़े मुनाफे का लालच देकर वे करोड़ों रुपये की ठगी करते थे। लोगों का विश्वास जीतने के लिए नकली लेबल, पैकेजिंग और फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी की रकम से खरीदी गई एक कार, एक मोटरसाइकिल, सोने के आभूषण, 9 मोबाइल फोन, एक कंप्यूटर, नकली लेबल लगी पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर सामग्री तथा करीब 1.15 लाख रुपये बरामद किए।

- कार, बाइक, सोना, 9 मोबाइल और नकदी बरामद

युवक की जहर के दुष्प्रभाव से मौत, परिजनों ने तीन बच्चों की मां को ठहराया जिम्मेदार

पानीपत। पानीपत की नूरवाला कॉलोनी में 24 वर्षीय शुभम की जहरीले पदार्थ के दुष्प्रभाव से मौत हो गई। वहीं, परिजनों ने शुभम की मौत के लिए एक महिला को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया कि महिला ने ही शुभम को जहरीला पदार्थ देकर उसकी हत्या की है। वहीं, परिजन शुभम के शव को सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा कर थाना तहसील कैंप पहुंच गए और बताया कि तीन बच्चों की मां, शुभम को गत दो सालों से प्रताड़ित कर रही थी। इस महिला के कारण शुभम मानसिक रूप से बहुत परेशान चल रहा था। इधर, परिजनों ने आरोपी महिला के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत देकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इधर, पुलिस ने महिला पर लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शुभम की मौत की पुलिस गहन जांच कर रही है। जांच में जो भी आरोपी दोषी पाया जाएगा उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- तीन बच्चों की मां, शुभम को गत दो सालों से प्रताड़ित कर रही थी

युवक ने नाबालिग लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर किया दुष्कर्म

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने नाबालिग लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक पिछले एक साल से लड़की का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उनके गांव का ही मुनव्वर उसकी 17 वर्षीय लड़की का पिछले एक साल से पीछा कर रहा था। उसकी लड़की जब भी घर से बाहर अकेली जाती तो आरोपी उसका पीछा करना शुरू कर देता और उसकी लड़की के साथ छेड़छाड़ करता। महिला ने बताया कि 29 मई को उसकी लड़की गांव में किसी काम से जा रही थी। इस दौरान आरोपी ने उसकी लड़की का पीछा करना शुरू कर दिया और उसकी लड़की को जबरदस्ती सुनसान स्थान पर ले गया। जहां आरोपी ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी।

- आरोपी करीबी एक साल से कर रहा था लड़की का पीछा

व्यक्ति ने महिला को बातों में उलझा कर ठगी सोने की बालियां व चांदी की अंगूठी

यमुनानगर। शहर के कटोच ऑप्टिकल के पास एक व्यक्ति ने विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी उषा रानी को बातों में उलझा कर उससे सोने की बालियां व चांदी की अंगूठी ठग ली। महिला को जब अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर के विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी उषा रानी ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 जुलाई को दोपहर से डेढ़ बजे वह बाजार में किसी काम से गई थी। जब वह कटोच ऑप्टिकल के पास पहुंची तो उसे एक व्यक्ति मिला। आरोपी ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उससे सोने की बालियां व एक चांदी की अंगूठी ले ली। इसके बाद आरोपी उसे बातों में उलझा कर मौके से फरार हो गया। आरोपी के जाने के बाद जब उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ तो उसने मामले की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने इस बारे पुलिस को सूचित किया।

- कटोच ऑप्टिकल के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला को ठगा

शहजादपुर। भाजपा नेता गुरनाम सिंह की पार्थिव देह को नमन करते सीएम नायब सैनी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा नेता गुरनाम सिंह को सीएम ने दी अंतिम विदाई

शहजादपुर। भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष और ब्लॉक समिति शहजादपुर के पूर्व चेयरमैन गुरनाम सिंह गुर्जर का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र और भाजपा संगठन में शोक की लहर है। शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव धनाना स्थित उनके आवास पहुंचे, पार्थिव देह पर शॉल और भाजपा का ध्वज अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा अंतिम संस्कार में शामिल हुए।मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि गुरनाम सिंह समर्पित, अनुशासित और कर्मठ कार्यकर्ता थे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन भाजपा परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसपी अजीत सिंह शेखावत, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, एसडीएम शिवजीत भारती, डीएसपी सूरज चावला, चंदन सैनी, नंबरदार सुरेश पाल, राकेश बिंदल, सुरेंद्र राणा, पवन गुर्जर, महामंत्री विवेक गुप्ता, करमचंद गोल्डी, उपाध्यक्ष संदीप सैनी अंबली, नरेंद्र राणा कुराली, गोपाल मित्तल, विक्रम राणा आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मां भद्रकाली के किए दर्शन

पीठाध्यक्ष ने चुनरी देवी भागवत और स्मृति चिह्न भेंट कर किया सम्मान

राष्ट्र की उन्नति, सुख-समृद्धि और शिक्षा क्षेत्र की प्रगति की कामना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

गुप्त नवरात्रों के पावन अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी धर्मपत्नी के साथ हरियाणा के एकमात्र शक्तिपीठ श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर, कुरुक्षेत्र पहुंचे शक्तिपीठ में उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन कर राष्ट्र की उन्नति तथा समस्त देशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। शक्तिपीठ पहुँचने पर टीम शक्तिपीठ द्वारा उनका पुष्पगुच्छों के साथ भव्य स्वागत किया गया ।तत्पश्चात पीठाध्यक्ष पं सतपाल शर्मा गुरुजी एवं मुख्य पुजारिन शिमला देवी ने श्रीदेवीकूप पर वैदिक मंत्रोच्चारण संग उनका पूजन करवाया तथा मां की पावन शक्ति चुनरी, पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं उनकी धर्मपत्नी ने श्री देवीकूप की परिक्रमा कर मां के श्रीचरणों में अश्वों का जोड़ा अर्पित किया तथा गर्भगृह में मां के चांदी चरण का पंचामृत पूजन कर पंचदीप पात्र से भव्य आरती की। उन्होंने लाल चुनरी, सिंदूर, नारियल, पुष्प, पंचमेवा एवं फलों का भोग अर्पित किया तथा महालक्ष्मी एवं महासरस्वती मंदिर में भी विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने गुप्त नवरात्रि के मौके पर हवन यज्ञ में पूर्णाहुति भी डाली। उनकी धर्मपत्नी ने मां के गर्भगृह में 21 मिनट का गुप्त निजी ध्यान व मंत्रोच्चार और शनि मंदिर में तेलाभिषेक किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि मां भद्रकाली शक्तिपीठ सदियों से श्रद्धा, शक्ति और सिद्धि का पावन तीर्थ रहा है। गुप्त नवरात्रि में मां के दर्शनों से उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की उनकी यात्रा मां के दर्शनों के बाद ही सम्पूर्ण हुई। उन्होंने मां भद्रकाली से प्रार्थना की कि भारत ज्ञान, संस्कार, शिक्षा, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे तथा देश का प्रत्येक विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

कुरुक्षेत्र। श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर में पूजा करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान।

गुप्त नवरात्रों में मां भगवती की आराधना फलदाई

पीठाध्यक्ष पं सतपाल शर्मा ने कहा कि गुप्त नवरात्रों में मां भगवती की आराधना का विशेष महत्व है। इन पावन दिनों में मां भद्रकाली के दर्शन एवं आशीर्वाद का सौभाग्य अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। उन्होंने मां भद्रकाली से केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। पीठाध्यक्ष ने उन्हें मां भद्रकाली का पावन चित्र, शंख एवं देवी भागवत आशीर्वाद स्वरूप दिए।

यमुनानगरः जेपी अस्पताल के पास हुआ हादसा

तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर के रेलवे रोड स्थित जेपी अस्पताल के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार विकास नगर बहादुरगढ़ निवासी धीरज ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 45 वर्षीय सुनेश्वर गुप्ता 16 जुलाई को रात 11 बजे रेलवे रोड से जा रहा था। जब वह जेपी अस्पताल के पास पहुंचा तो शहर के भगत सिंह चौक की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही कार ने उसके पिता को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसका पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल सुनेश्वर गुप्ता को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश, नियम विरुद्ध गतिविधियों पर रखें कड़ी नजर

अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ दर्ज कराएं केस, वाहनों को करें जब्त: प्रीति

लघु सचिवालय में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए हुई अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। लघु सचिवालय में अवैध खनन रोकने के लिए आयोजित बैठक में दिशा निर्देश देतीं उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में जिले में हो रहे अवैध खनन की रोकथाम के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। बैठक में उपायुक्त प्रीति ने सभी अधिकारियों को जिले में अवैध खनन की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि अवैध खनन पर रोक लगे और प्रशासन के संबंधित विभागों के अधिकारियों का दायित्व है कि वे अवैध खनन रोकने में अपनी ड्यूटी अच्छी तरह से निभाएं। अवैध खनन से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों के अधिकारी यदि आपसी तालमेल से कार्य करें तो अवश्य ही अवैध खनन पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन में पकड़े गए वाहनों के चालान कर उन्हें जब्त करें। वहीं, फर्जी ई.रवाना की पूरी जांच की जाए और अवैध खनन में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ मामला अवश्य दर्ज कर वाहन को जब्त करें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन में पकड़े गए व्यक्ति व वाहन के सभी दस्तावेज अच्छी तरह चेक कर लें ताकि सही दस्तावेज न होने पर उसके खिलाफ कार्रवाई करने में किसी प्रकार की परेशानी न हों।

उपायुक्त प्रीति ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ साथ अन्य विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वह अपने अपने क्षेत्र में पूर्ण रूप से अवैध खनन पर पाबंदी लगाएं और पकड़े गए वाहनों का चालान कर सख्त कार्रवाई अमल में लाएं। जिस विभाग के अधिकारी अवैध खनन में लिप्त वाहन को पकड़ते हैं। उस वाहन के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार चालान करें। जब भी अवैध खनन में लिप्त वाहन का चालान किया जाए तो उसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को अवश्य दें और उसकी जानकारी उनके कार्यालय में भी भिजवाएं।

पंचायती भूमि में अवैध खनन ना होने दें सरपंच

उपायुक्त प्रीति ने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी को भी निर्देश दिए कि वे अवैध रूप से पंचायती भूमि पर खनन करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा कर कार्रवाई करें और सरपंचों को हिदायत दें कि वे पंचायती भूमि पर किसी प्रकार का अवैध खनन न होने दें। उपायुक्त प्रीति ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में निरीक्षण अवश्य करते रहें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी संवेदनशील नाकों पर पुलिस फोर्स बढ़ाई जाए। इसके साथ साथ मोबाइल टीम की गतिविधियों को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपसी तालमेल की कमी है उसे दूर कर एक दूसरे अधिकारी को सहयोग करें।

अवैध खनन में लिप्त 62 वाहन किए गए जब्त

उपायुक्त प्रीति की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला खनन अधिकारी लोकेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में खनन गतिविधियों में सरकार को 2 करोड़ 55 लाख 25 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है और अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त 62 वाहनों को सीज किया गया। मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, एसडीएम व्यासपुर डॉ. कुलदीप सिंह, एसडीएम छछरौली जसपाल सिंह गिल, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, डीएसपी रजत गुलिया, जिला खनन अधिकारी लोकेंद्र सिंह व डीडीपीओ नरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन करें योगाभ्यास: कौर

रादौर। अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था इनरव्हील क्लब रादौर के तत्वावधान में शनिवार को करखा के महाराणा प्रताप पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की प्रधान परमजीत कौर ने शिविर का शुभारंभ किया। योग शिक्षक योगेश गुप्ता ने क्लब के सदस्यों व महिलाओं को विभिन्न यौगिक क्रियाएं करवाई। उन्होंने मौके पर क्लब की सदस्यों और महिलाओं को योग करने से शरीर को होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर क्लब की प्रधान परमजीत कौर व सचिव पूजा माटिया ने कहा कि हमें अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन सैर व योग अवश्य करना चाहिए। तभी हम स्वस्थ रह सकते हैं। महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए प्रति दिन एक घंटा योग व सैर अवश्य करनी चाहिए। जिससे हम महिलाओं को बीमारियों से बचा सकते है। इस अवसर पर क्लब की अनिता झांब, साक्षी पुरूथी, वीना चोपड़ा, पार्षद बेअंत कौर, बीमला राणा, मीनाक्षी कांबोज, नीना, नेहा सेतिया व नीलम मेहता आदि मौजूद रहीं।

स्वच्छता के प्रति लोगों को करें जागरूक: कुमार

यमुनानगर। जिला परिषद के तत्वावधान में परिषद भवन में जगाधरी के ग्राम सचिवों व सरपंचों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने की। उन्होंने बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन पर सभी ग्राम सचिवों एवं सरपंचों को निर्देश दिए। परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 के अनुसार स्रोत पर कचरे का पृथक्करण करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ग्राम पंचायतें इस संबंध में नियमित जागरूकता अभियान, मुनादी, ग्राम सभाएं एवं घर घर संपर्क अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें तथा गांवों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करें। जो छात्र दौड़ लगाते हैं खिलाड़ी है उनका यमुनानगर में आयोजित होने वाली दस किलोमीटर दौड़ मे रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाएं। ताकि बच्चों को अच्छे रास्ते पर लाया जा सके और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने सभी सरपंचों व अधिकारियों से ऐसे खिलाड़ी जो रजिस्ट्रेशन करवाने में असमर्थ है उनका रजिस्ट्रेशन वह स्वयं अपने खर्चे से करें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने सभी ग्राम सचिवों एवं सरपंचों से निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए समयबद्ध कार्रवाई करने तथा निर्धारित प्रगति रिपोर्ट जिला परिषद कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर जसविंदर सिंह,बलिंदर कटारिया, मनोज व देवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

निःशुल्क नीम की दातुन उपलब्ध करवाते हैं सुभाष

रादौर। लंबे समय से रादौर निवासी सुभाष प्रजापत(67) मानवता की सेवा के लिए प्रतिदिन सुबह के वक्त सैर करने वाले लोगों को निःशुल्क नीम की दातुन उपलब्ध करवा रहे हैं। वह प्रतिदिन मीलों दूर चलकर नीम की दातुनें एकत्र करते हैं और उन्हें हर सुबह रादौर के महाराणा प्रताप पार्क में सैर करने वाले लोगों को निःशुल्क वितरित करके उन्हें उसके लाभ बताते हैं। रादौरवासी सुभाष प्रजापत द्वारा की जा रही मानवता की सेवा के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। महाराणा प्रताप पार्क एसोसिएशन के उप प्रधान दर्शन मनचंदा दारी, मंजीत सिंह पंजेटा, डॉ. एससी सैनी, विनोद पुजारा, सतीश सैनी, दीपक रोहिला, दिनेश कतियाल, प्रमोद गर्गए,अशोक गर्ग, सचिन पुरूथी, चारूल वशिष्ठ, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा व नसीब सिंह आदि ने बताया कि करखा कुम्हार मोहल्ला निवासी सुभाष प्रजापत एक नेक दिल इंसान है। जो पिछले काफी समय से पार्क में सैर करने आने वाले लोगों के लिए नीम की निःशुल्क दातुन उपलब्ध करवाने का काम कर रहा है। सुभाष प्रजापत हर रोज नीम की दातुन लेने के लिए मोटरसाइकिल पर 12 से 14 किलोमीटर का सफर तय करके दूर दराज क्षेत्र से नीम की दातुनें एकत्र करते हैं और रोजाना सुबह के वक्त पार्क में आने वाले पुरूषों, महिलाओं व बच्चों को वह नीम की दातुन देने का काम करते है। जो काफी सराहनीय है। सुभाष प्रजापत ने बताया कि उन्हें लोगों की सेवा करने में खुशी मिलती है। उन्होंने बताया कि नीम की दातुन करना मनुष्य के शरीर के लिए लाभकारी होता है। प्राचीन काल से हमारे देश के लोग नीम की दातुन से दांत साफ करते आ रहे है। नीम की दातुन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी है और इसके इस्तेमाल से मनुष्य कई बीमारियों से छुटकारा पा सकता है।

पोस्टर बनाकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में शनिवार को नशा के प्रति जागरूकता फैलाने एवं स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए (से नो टू ड्रग्स) विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका शर्मा ने किया। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि से नो टू ड्रग्स प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली के महत्व तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के प्रेरणादायक संदेशों को आकर्षक रंगों और प्रभावशाली नारों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे की समस्या के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वयं और दूसरों को इस बुराई से बचाने के लिए प्रेरित करना रहा। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। हमें अपने जीवन में सदैव अच्छे संस्कार, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच को अपनाना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। मौके पर स्कूल के चेयरमैन जीएस शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि वह नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं नैतिक मूल्यों को अपनाएं तो वह देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

अंत्योदय की भावना से काम कर रही प्रदेश सरकार : भोपाल सिंह

■ मुख्यमंत्री के नवनियुक्त ओएसडी भोपाल सिंह खदरी का जगाधरी में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। जगाधरी स्थित अपने निवास स्थान पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भोपाल सिंह खदरी से बातचीत करते पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नवनियुक्त ओएसडी भोपाल सिंह खदरी ने कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना से काम कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा जनहित के लिए अनेको कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनका सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने उक्त शब्द जगाधरी में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल के निवास स्थान पर बातचीत करते हुए कहे। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने नवनियुक्त ओएसडी भोपाल सिंह खदरी का उनके निवास स्थान पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

खदरी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल का उनका स्नेहपूर्ण स्वागत करने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना से काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पूरी मजबूती से लागू करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान करवाना और प्रदेश सरकार की योजनाओं से लोगों को रुबरू करवाकर उन्हें जागरुक करना है। उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है वह उसका अपनी पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से निर्वाहन करेंगे। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है।

इस दौरान भोपाल सिंह खदरी और पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल के बीच क्षेत्र के विकास कार्यों, जनहित की नीतियों और संगठन से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

निःशुल्क नीम की दातुन उपलब्ध करवाते हैं सुभाष

रादौर। लंबे समय से रादौर निवासी सुभाष प्रजापत(67) मानवता की सेवा के लिए प्रतिदिन सुबह के वक्त सैर करने वाले लोगों को निःशुल्क नीम की दातुन उपलब्ध करवा रहे हैं। वह प्रतिदिन मीलों दूर चलकर नीम की दातुनें एकत्र करते हैं और उन्हें हर सुबह रादौर के महाराणा प्रताप पार्क में सैर करने वाले लोगों को निःशुल्क वितरित करके उन्हें उसके लाभ बताते हैं। रादौरवासी सुभाष प्रजापत द्वारा की जा रही मानवता की सेवा के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। महाराणा प्रताप पार्क एसोसिएशन के उप प्रधान दर्शन मनचंदा दारी, मंजीत सिंह पंजेटा, डॉ. एससी सैनी, विनोद पुजारा, सतीश सैनी, दीपक रोहिला, दिनेश कतियाल, प्रमोद गर्गए,अशोक गर्ग, सचिन पुरूथी, चारूल वशिष्ठ, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा व नसीब सिंह आदि ने बताया कि करखा कुम्हार मोहल्ला निवासी सुभाष प्रजापत एक नेक दिल इंसान है। जो पिछले काफी समय से पार्क में सैर करने आने वाले लोगों के लिए नीम की निःशुल्क दातुन उपलब्ध करवाने का काम कर रहा है। सुभाष प्रजापत हर रोज नीम की दातुन लेने के लिए मोटरसाइकिल पर 12 से 14 किलोमीटर का सफर तय करके दूर दराज क्षेत्र से नीम की दातुनें एकत्र करते हैं और रोजाना सुबह के वक्त पार्क में आने वाले पुरूषों, महिलाओं व बच्चों को वह नीम की दातुन देने का काम करते है। जो काफी सराहनीय है। सुभाष प्रजापत ने बताया कि उन्हें लोगों की सेवा करने में खुशी मिलती है। उन्होंने बताया कि नीम की दातुन करना मनुष्य के शरीर के लिए लाभकारी होता है। प्राचीन काल से हमारे देश के लोग नीम की दातुन से दांत साफ करते आ रहे है। नीम की दातुन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी है और इसके इस्तेमाल से मनुष्य कई बीमारियों से छुटकारा पा सकता है।

बच्चों ने येलो डे कार्यक्रम में दिखाई अपनी प्रतिभा

रादौर। लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में शनिवार को येलो डे मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ येलो डे मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या नेहा देवी ने किया। प्रधानाचार्या नेहा देवी ने बताया कि कार्यक्रम में शनिवार को सुबह के वक्त सभी बच्चे पीले रंग की सुंदर वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। जिससे पूरा विद्यालय पीले रंग की चमक से खिल उठा। बच्चों ने येलो कलर पहचान, कविता, डांस, राइम्स, आर्ट एंड क्राफ्ट व विभिन्न मनोरंजक खेलों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने खेल खेल में नई बातें सीखीं और दिन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए ब्रेन स्टॉर्मिंग गेम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पहेलियों, प्रश्नोत्तरी, तर्कशक्ति और सोचने समझने वाले रोचक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, एकाग्रता, समस्या समाधान क्षमता तथा टीम भावना को और अधिक मजबूत किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य नेहा देवी ने सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय में समय समय पर ऐसी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

श्रद्धा के साथ मनाई जेएन कपूर की 26वीं पुण्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन यमुनानगर में शनिवार को डीएवी संस्थानों के संस्थापक एवं महान शिक्षाविद्ध स्वर्गीय जेएन कपूर की की 26वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से मरणोपरांत सम्मानित किए जाने की मांग की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बोहरा ने की। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में डीएवी स्कूल यमुनानगर के चेयरमैन विजय कपूर मौजूद रहे। इस दौरान प्राचार्य डॉ.हिमांशु शेखर बोहरा, चेयरमैन विजय कपूर व समस्त प्राध्यापकों व स्टाफ सदस्यों ने स्व. जेएन कपूर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा ने कहा कि जेएन कपूर की दूरदर्शी सोच, निःस्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका आजीवन समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान एवं सर्वोच्च त्याग को देखते हुए भारत सरकार को उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए।

रादौर में अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस मनाया गया

रादौर। वेलफेयर एसोसिएशन रादौर के तत्वावधान में शनिवार को करखा में अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस भावपूर्ण तरीके से मनाया गया। एसोसिएशन के प्रधान भगवतदयाल कटारिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एसोसिएशन के प्रधान भगवत दयाल कटारिया ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नवंबर 2009 में प्रतिवर्ष 18 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस मनाने की घोषणा की थी। यह दिवस पहली बार 18 जुलाई 2010 को मनाया गया था। प्रस्ताव पारित करते हुए महासभा के अध्यक्ष अली ट्रेकी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय एक महान व्यक्ति के कार्यों की प्रशंसा करता है। जिसने हमेशा दूसरे लोगों के लिए काम किया। नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत भूतपूर्व राष्ट्रपति बने थे। नेल्सन मंडेला का जन्म बासा नदी के किनारे ट्रांस्की के मवेंजो गांव में 18 जुलाई 1918 को हुआ था। राष्ट्रपति बनने से पूर्व वे दक्षिण अफ्रीका में सदियों से चल रहे रंगभेद का विरोध करने वाले अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस और इसके सशस्त्र गुट उमखोंतो वे सिजवे के अध्यक्ष रहे। रंगभेद विरोधी संघर्ष के कारण उन्होंने 27 वर्ष रॉबेन द्वीप के कारागार में बिताए। जहां उन्हें कोयला खनिक का काम करना पड़ा था। 1990 में श्वेत सरकार से हुए एक समझौते के बाद उन्होंने नए दक्षिण अफ्रीका का निर्माण किया। वह दक्षिण अफ्रीका एवं समूचे विश्व में रंगभेद का विरोध करने के प्रतीक बन गए। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने उनके जन्म दिन को अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी जिंदगी के 27 वर्ष रॉबेन द्वीप पर कारागार में रंगभेद नीति के खिलाफे लड़ते हुए बिताए।

अब स्वच्छता का महत्व समझने लगे हैं लोग: चंद्र

रादौर। नगर पालिका द्वारा कस्बा के नाम चौक क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान अभियान का शुभारंभ स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र व कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बेटे नेपाल राणा ने झाड़ू लगाकर किया। मौके पर नपा चेयरमैन रजनीश मेहता शालु, नपा सचिव सुरेंद्र मलिक व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों समेत पार्षदों ने सफाई अभियान में भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कमान संभालते ही स्वच्छ भारत मिशन अभियान देश में शुरु करवाया गया। जिसका परिणाम आज ये हुआ की। देश में स्वच्छता को लेकर लोग पहले से बहुत ज्यादा जागरूक हुए हैं। पहले जगह जगह कूड़े के ढेर लगे रहते थे। लेकिन आज लोगों में साफ सफाई को लेकर जागरूकता आई है। जिससे देश के गांव व शहरों में लोगों ने स्वच्छता के महत्व को समझा है। लोग सफाई को अपने जीवन का अंग बना चुके हैं। जिससे गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारियों में कमी आई है। सरकार गांव में भी सफाई को लेकर कड़े कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन अभियान प्रदेश में अच्छे परिणाम दे चुका है। जिससे प्रदेश की गिनती देश के स्वच्छ प्रदेशों में होती है। वहीं भाजपा नेता नेपाल राणा ने कहा कि हम सबका कर्तव्य बनता है कि हम स्वच्छ भारत अभियान से जुड़कर देश व राज्य को स्वच्छ रखने का काम करे। सभी मिलकर अपने शहर व गांव को साफ सुथरा रखें।

मेयर सुमन बहमनी ने नगर में जूट के थैले बांटकर दिया स्वच्छता का संदेश

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सबकी भागीदारी अनिवार्य

लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। लोगों को कपड़े के थैले वितरित करतीं मेयर सुमन बहमनी। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम यमुनानगर प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता से स्वागत अभियान के तहत शनिवार को मॉडल टाउन स्थित नेहरू पार्क के बाहर शहर को प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से विशेष जन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ मेयर सुमन बहमनी ने नागरिकों को जूट के थैले वितरित कर किया। इस दौरान लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की गई।

मेयर ने अभियान के दौरान प्लास्टिक दानव के माध्यम से लोगों का ध्यान सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान की ओर आकर्षित किया गया। उन्होंने नागरिकों को बताया गया कि प्लास्टिक न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करती है, बल्कि पशुओं और मानव स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। लोगों को कपड़े और जूट के थैलों का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। यदि सभी लोग सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग छोड़कर वैकल्पिक साधनों को अपनाएं तो शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से नगर निगम के स्वच्छता अभियानों में सक्रिय सहयोग देने का भी आह्वान किया। अभियान के दौरान रेहड़ी संचालकों को भी जागरूक किया गया और उन्हें अपने आसपास साफ. सफाई बनाए रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का संकल्प लिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप दहिया, सफाई निरीक्षक सुशील कुमार, अभियान की संयोजक मनीषा अग्रवाल, वार्ड पार्षद विभोर पाहुजा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमन सग्गड़, मंडल महामंत्री संदीप बजाज, भवरजोत सिंह व कपिल दुआ आदि मौजूद रहे।

अब स्वच्छता का महत्व समझने लगे हैं लोग: चंद्र

रादौर। नगर पालिका द्वारा कस्बा के नाम चौक क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान अभियान का शुभारंभ स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र व कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बेटे नेपाल राणा ने झाड़ू लगाकर किया। मौके पर नपा चेयरमैन रजनीश मेहता शालु, नपा सचिव सुरेंद्र मलिक व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों समेत पार्षदों ने सफाई अभियान में भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कमान संभालते ही स्वच्छ भारत मिशन अभियान देश में शुरु करवाया गया। जिसका परिणाम आज ये हुआ की। देश में स्वच्छता को लेकर लोग पहले से बहुत ज्यादा जागरूक हुए हैं। पहले जगह जगह कूड़े के ढेर लगे रहते थे। लेकिन आज लोगों में साफ सफाई को लेकर जागरूकता आई है। जिससे देश के गांव व शहरों में लोगों ने स्वच्छता के महत्व को समझा है। लोग सफाई को अपने जीवन का अंग बना चुके हैं। जिससे गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारियों में कमी आई है। सरकार गांव में भी सफाई को लेकर कड़े कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन अभियान प्रदेश में अच्छे परिणाम दे चुका है। जिससे प्रदेश की गिनती देश के स्वच्छ प्रदेशों में होती है। वहीं भाजपा नेता नेपाल राणा ने कहा कि हम सबका कर्तव्य बनता है कि हम स्वच्छ भारत अभियान से जुड़कर देश व राज्य को स्वच्छ रखने का काम करे। सभी मिलकर अपने शहर व गांव को साफ सुथरा रखें।

खबर संक्षेप

भाखड़ा नहर से किशोर का शव बरामद

कुरुक्षेत्र। दबखेड़ी गांव के पास भाखड़ा नहर से किशोर का शव बरामद हुआ। किशोर 15 जुलाई की दोपहर को लापता हुआ था। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे किशोर की उसके पिता के साथ मोबाइल पर आखिरी बातचीत हुई थी। उसके बाद किशोर पूरी रात घर नहीं लौटा। उसी दिन से परिवार किशोर की तलाश में जुटा है। मृतक की पहचान नई निहारसी जिला अंबाला के 17 साल के अभीजोत के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। पिछले साल अभीजोत 10वीं क्लास करने के बाद पिता के साथ राजमिस्त्री का काम सीख रहा था। अभीजोत के जन्म के करीब 3 महीने उसके पिता का मां के साथ तलाक हो गया था। निर्मल सिंह के मुताबिक, उसका बेटा अभीजोत 15 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे अपनी बाइक पर घर से निकला था। उसने उस दिन ब्लैक टी-शर्ट और कैपरी पहन रखी थी। आखिरी बार करीब साढ़े 3 बजे मोबाइल पर उसकी अभीजोत के साथ बात हुई थी।

24 को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र। आषाढ़ मास के पावन अवसर पर इस्कॉन कुरुक्षेत्र द्वारा 24 जुलाई शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य वार्षिक रथ यात्रा निकाली जाएगी। इस धार्मिक महोत्सव में हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के अनुसार, रथ यात्रा से पहले श्री कृष्ण-अर्जुन मंदिर, ज्योतिसर में विशेष पूजा-अर्चना, हरिनाम संकीर्तन एवं भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी की महाआरती होगी। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण और भंडारे की व्यवस्था भी रहेगी। सायंकाल भगवान जगन्नाथ का सुसज्जित रथ ब्रह्मसरोवर क्षेत्र से नगर भ्रमण के लिए रवाना होगा। श्रद्धालु रथ की रस्सियां खींचकर भगवान की सेवा करेंगे। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा पुष्पवर्षा, जल सेवा, स्वागत एवं भोग अर्पण की व्यवस्था की जाएगी।

मोबाइल मेडिकल ने 317 लोगों को दी स्वास्थ्य सेवाएं

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा शनिवार को दो मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से थानेसर विधानसभा क्षेत्र स्थित ओपी जिन्दल पार्क में, 317 लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपने घरों के नजदीक ही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने भी स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आज मरीजों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई तथा उनकी स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श दिया गया। इस दौरान रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। इस अवसर पर 263 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं, जबकि 54 लोगों के रक्त और यूरिन परीक्षण मौके पर ही किए गए। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट्स केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान में हुई खेल प्रतियोगिता

खेल के मैदानों से ही तैयार होते हैं भविष्य के विजेता: चेयरमैन

खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाहबाद

शाहबाद। खिलाड़ियों के साथ खेलते चेयरमैन सुभाष कलसाना। फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से आयोजित संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ शनिवार को शाहाबाद खंड के गांव कलसाना स्थित गीता विद्या मंदिर में उत्साह के साथ हुआ । प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन सुभाष कलसाना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। चेयरमैन सुभाष कलसाना ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मैदान में उतरकर विभिन्न खेल गतिविधियों में भी भाग लिया, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह कई गुना बढ़ गया। मैदान में मौजूद विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके साथ खेलते हुए विशेष उत्साह दिखाई दिया। अपने संबोधन में सुभाष कलसाना ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेल के मैदानों में पसीना बहा कर भविष्य के विजेता तैयार होते है और जो विद्यार्थी आज मैदान में मेहनत करना सीखता है, वही जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे खेल भावना को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा और खेल दोनों जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी समान रूप से रुचि लेकर विद्यार्थी अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों को खेलों के लिए प्रेरित करने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व का भी सर्वांगीण विकास होता है। विद्यालय के प्राचार्य विनोद शर्मा ने मुख्य अतिथि सुभाष कलसाना का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना विकसित करने के साथ-साथ उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक जय नारायण कश्यप, राजबीर राणा, प्रिंसिपल विनोद शर्मा, विनोद वधवा, रामपाल सैनी, अधिवक्ता मनदीप रावा, अनिल शर्मा, जसबीर सिंह, गंगाधर शर्मा, काजल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, विद्यालय परिवार, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों को मिल रहीं बेहतर सुविधाएं

सुभाष कलसाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार नई खेल नीतियां लागू कर रही है। राज्य सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं, प्रशिक्षण, छात्रवृत्तियां, नकद पुरस्कार और सरकारी सेवाओं में अवसर देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ी विश्व पटल पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो सरकार की दूरदर्शी खेल नीतियों और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

कुरुक्षेत्र। राजकीय विद्यालय रामगढ़ में पंखे भेट करते समिति के सदस्य।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने भेंट किए छह पंखे

कुरुक्षेत्र। सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय, रामगढ़ में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छह पंखे भेंट किए। समिति की इस पहल का विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए इसे विद्यार्थियों के हित में एक सराहनीय कदम बताया। गर्मी के मौसम में कक्षाओं में बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किए गए इस सहयोग से विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान काफी राहत मिलेगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने कहा कि शिक्षा और समाज सेवा संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उनका मानना है कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति और संस्था को जरूरतमंद विद्यालयों तथा विद्यार्थियों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्व समाज कल्याण सेवा समिति समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों का आयोजन करती रहती है। भविष्य में भी रिंतर कार्य करती रहेगी। विद्यालय की मुख्य अध्यापिका रूपा सैनी ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में लगाए गए इन छह पंखों से विद्यार्थियों को गर्मी के दिनों में काफी सुविधा मिलेगी।

पीएम मोदी की रैली में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पिहोवा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रत्याशी जय भगवान शर्मा डीडी के नेतृत्व में पिहोवा विधानसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ता और सैकड़ों वाहनों का विशाल काफिला जींद में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुरुक्षेत्र कार्यक्रम में शामिल हुए हजारों कार्यकर्ताओं का दिल से आभार जताया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला ने कहा कि डीडी शर्मा के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र कार्यक्रम में अनेकों ऑटो रिक्शा, इलेक्ट्रिक वाहन और अन्य वाहनों के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे। इस अवसर पर जय भगवान शर्मा डीडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही हरियाणा को 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी, जिनमें 400 करोड़ रुपये से अधिक लागत का कुरुक्षेत्र रेलवे एलिवेटेड ट्रैक भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कुरुक्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों को रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। जय भगवान शर्मा (डीडी) ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश के विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

मिड-डे मील वर्कर्स ने 4 अगस्त की हड़ताल का सौंपा ज्ञापन, सीएम आवास पर होगा का महापड़ाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ थानेसर

थानेसर। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करती मिड डे मील वर्कर्स।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (रजि. 1933) से जुड़ी मिड डे मील वर्कर्स ने अपनी लंबित मांगों और गंभीर समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में यूनियन के पदाधिकारियों ने नायब तहसीलदार के माध्यम से मौलिक शिक्षा अधिकारी को 4 अगस्त 2026 को होने वाली राज्यव्यापी हड़ताल और कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास पर महापड़ाव का नोटिस सौंपा। नोटिस डे की अध्यक्षता रोशनी देवी व संचालन जिला सचिव अनिल कुमार ने किया। राज्य सचिव शर्बती, राज्य व जिला उपप्रधान लाल देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में करीब 28,000 मिड डे मील वर्कर्स अपनी सेवाएं दे रही हैं। वे लंबे समय से भयंकर परेशानियों और समस्याओं का सामना कर रही हैं। इस संबंध में शिक्षा मंत्री से लेकर विभाग के उच्च अधिकारियों को कई बार गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी मांगों का कोई समाधान नहीं हुआ।

राज्यभर से महापड़ाव में पहुंचेंगी मिड डे मील वर्कर्स

राज्यभर से हजारों की संख्या में वर्कर्स कुरुक्षेत्र पहुंचेंगी और मुख्यमंत्री के दरवाजे पर ऐतिहासिक महापड़ाव डालेंगी। सीटू नेता रोशन लाल फौजी, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामनाथ भाटी, जिला सचिव संदीप नरवाल, मिड डे मील वर्कर्स गुरमीत कौर, सरोज, सत्या, रेशमा, लक्ष्मी, नीलम, गीता, पिंकी आदि ने संबोधित किया।

सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर जन संघर्ष मंच का विरोध

- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए भंग करने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

जन संघर्ष मंच हरियाणा की कुरुक्षेत्र-कैथल-करनाल इकाई के प्रधान करनैल सिंह ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और प्रदर्शनकारी छात्रों को दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने का कड़ा विरोध किया है। मंच ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार की कार्रवाई की निंदा की। करनैल सिंह ने कहा कि पेपर लीक और विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में पिछले 21 दिनों से आंदोलनरत सोनम वांगचुक और छात्रों की मांगों पर संवाद करने के बजाय पुलिस कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ बल प्रयोग और उन्हें हटाने की कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में आंदोलनकारियों के स्वास्थ्य और जीवन को लेकर चिंतित है तो उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मंच ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने तथा परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। जन संघर्ष मंच ने नई शिक्षा नीति-2020 की भी आलोचना करते हुए कहा कि यह नीति शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाली है।

हरियाणा सुपर 100 के 62 विद्यार्थियों ने मारी नीट परीक्षा में बाजी

5 विद्यार्थियों ने नीट में हासिल किए 600 से ज्यादा अंक

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

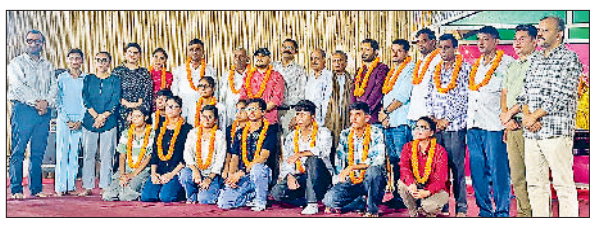

कुरुक्षेत्र। उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सुपर 100 के विद्यार्थी निश्चित ही शिक्षा के क्षेत्र में देश और विदेश में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। इस हरियाणा सुपर 100 के विद्यार्थियों ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके परिणामस्वरूप ही नीट परीक्षा 2026 में 62 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की है और इनमें से 5 विद्यार्थियों ने 600 से ज्यादा अंक प्राप्त किए है। इस परिणाम की फीडबैक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दी गई है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई और शुभकामनाओं का संदेश दिया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को ढांड रोड पर स्थित हरियाणा सुपर 100 विद्यार्थियों को लेकर विकल्प संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने दीप प्रज्वलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

62 विद्यार्थियों में से 39 छात्राएं सफल

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने हरियाणा सुपर 100 डीएसई हरियाणा के विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा 2026 में सराहनीय और अच्छा प्रदर्शन किया है। इस हरियाणा सुपर 100 के 62 विद्यार्थियों ने नीट की परीक्षा को पास किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सुपर 100 के परिणाम को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को विस्तृत रूप से फीड बैक रिपोर्ट दी गई है और इस रिपोर्ट से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुश है, उन्होंने सभी 62 विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाओं का संदेश भेजा है। इस हरियाणा सुपर 100 के 62 विद्यार्थियों में से 5 विद्यार्थियों ने 600 से ज्यादा अंक, 18 विद्यार्थियों ने 550 से ज्यादा अंक, 33 विद्यार्थियों ने 500 से ज्यादा और 49 विद्यार्थियों ने 400 से ज्यादा अंक प्राप्त किए है। उपायुक्त ने कहा कि इन 62 विद्यार्थियों में से 39 बेटियां शामिल है। इनमें 9 विद्यार्थी हिसार जिला, रोहतक से 7, गुरुग्राम से 6, फतेहबाद से 6, सोनीपत से 5, भिवानी से 5 और फरीदाबाद से 5 विद्यार्थी शामिल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सुपर 100 के विद्यार्थी नमन कौशिक ने 663 अंक लेकर ऑल इंडिया में 766 वां रैंक हासिल किया है।

नीट में नम्या ने 595 अंक हासिल कर बढ़ाया मान

कुरुक्षेत्र। बी.आर. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की छात्रा नम्या ने नीट-2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 595 अंक प्राप्त किए हैं। इस शानदार सफलता के साथ उन्होंने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस वर्ष नीट परीक्षा का कट-ऑफ लगभग 560 अंक रहा, जबकि नम्या ने 595 अंक हासिल कर अपनी मेहनत, लगन और समर्पण का परिचय दिया। विद्यालय के चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने नम्या को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की प्राचार्या पूजा कंबोज ने कहा कि नम्या की सफलता को सराहा।

न्यूज डायरी

विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यमः सुधा

कुरुक्षेत्र। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कुरुक्षेत्र द्वारा 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के मल्टी पर्पज हॉल में श्री गुरु तेग बहादुर प्रतिभा सम्मान समारोह एवं 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान, विभाग प्रचारक संजय कुमार ने शिरकत की, जबकि विशेष उपस्थिति पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष गौरव वीर सोहल की रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज वत्स ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता तथा श्री गुरु तेग बहादुर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

मंसूरी में हुआ सम्मान समारोह

कुरुक्षेत्र। न्यूवन ग्लोबल के उत्कृष्ट सदस्यों के सम्मान में उत्तराखंड के मंसूरी स्थित स्टर्लिंग होटल में तीन दिवसीय भव्य लीडरशिप एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक वरिष्ठ सदस्यों एवं लीडर्स ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य संगठन की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना, नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण, सकारात्मक सोच और टीम भावना को मजबूत करना रहा। कुरुक्षेत्र से डॉ. संजय शर्मा, मोहाली से वरिष्ठ मार्गदर्शक राजेंद्र शर्मा, मलोट से सरदार अशमिन्दर सिंह तथा चंडीगढ़ से शशी भूषण ने सम्मेलन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि नई ऊर्जा, नई सोच और नए संकल्प का संगम था। सम्मेलन के प्रत्येक सत्र ने प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संगठन के प्रति समर्पण की भावना को और सुदृढ़ किया। प्रतिभागियों ने न्यूवन ग्लोबल के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सरदार गुरतेज सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके विजन, सकारात्मक सोच और कर्मप्रधान नेतृत्व ने संगठन को हजारों परिवारों के सपनों को साकार करने वाला सशक्त अभियान बना दिया है।

रक्तदान से बड़ी कोई सेवा नहीं : समिन्द्र सिंह

कुरुक्षेत्र। नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर नया बस अड्डा प्रांगण, कुरुक्षेत्र में 595वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में 42 युवाओं, परिवहन कर्मचारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया तथा मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर के मुख्य अतिथि समिन्द्र सिंह, महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य परिवहन, कुरुक्षेत्र ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से बढ़कर कोई मानव सेवा नहीं है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर रोगी, दुर्घटना पीड़ित, प्रसूता अथवा थैलेसीमिया जैसे रोगों से पीड़ित मरीज को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर की अध्यक्षता प्रयास फाउंडेशन के प्रधान एवं रोटी बैंक, कुरुक्षेत्र के कोषाध्यक्ष नरेश सैनी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटी बैंक कुरुक्षेत्र के अंकेक्षक डॉ. एम. एम. सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया तथा समाजहित में उनके योगदान की सराहना की।

प्रभु स्मरण से करें दिन की शुरूआतः स्वामी ज्ञानानंद

पिहोवा। महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के पावन सान्निध्य एवं प्रेरणा से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रभात फेरियों की श्रृंखला में शनिवार की प्रभात फेरी गुरुद्वारा रोड पर श्याम सुंदर गोस्वामी एवं राजकुमार गोस्वामी परिवार के सौजन्य से श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चना से हुआ। जिसके बाद भजन-संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी प्रवचनों में कहा कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा आध्यात्मिक साधना का विशेष पर्व है और इसके साथ ही शुक्ल पक्ष में गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ होता है। उन्होंने कहा कि साधकों के लिए यह समय आत्मचिंतन, नाम-स्मरण और प्रभु भक्ति में लीन होने का श्रेष्ठ अवसर है। भगवान की कृपा उसी पर होती है, जो दिन की शुरूआत प्रभु के नाम, ध्यान और सत्संग से करता है। इस अवसर पर प्रेमपाल पुरी, कृपाल सैनी, राजकुमार गोस्वामी, नरेश ग्रोवर, अनिल गोस्वामी, बंटी गोस्वामी, मनोहर लाल शर्मा, डॉ. जसवीर सिंह, परमानंद तनेजा, मदन चावला, वीरेंद्र अरोड़ा, नरोत्तम वासन आदि रहे।

आत्मवान होने से ही तृप्ति संभव : समर्थगुरू औलिया

थानेसर। श्री दुर्गा देवी मंदिर पिपली, कुरुक्षेत्र के पीठाधीश और समर्थगुरु धारा हिमाचल के जोनल कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि मिशन आत्मक्रांति' के द्वारा सनातन धर्म सुदृढ़ होगा। समर्थगुरू सिद्धार्थ औलिया, मुरथल में पधारे आवाहन अखाड़ा के पीठाधीश्वर, महामंडलेश्वर अरुण गिरी महाराज से समर्थगुरू सिद्धार्थ औलिया जी ने आत्मीय भेंट की। इस पावन बैठक में 'मिशन आत्मक्रांति' के जरिए सनातन धर्म के सुदृढ़ीकरण और पर्यावरण की बेहतरी के लिए आगामी कदमों पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेष शुभ अवसर पर आदरणीय समर्थगुरु की सचिव मां मीराबाई और समर्थगुरु धारा के केन्द्रीय संयोजक आचार्य दर्शन शामिल हुए। ट्विटर के माध्यम से आदरणीय समर्थगुरू सिद्धार्थ औलिया ो विशेष बताया कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है आत्मवान होना। आत्मवान होने से ही तृप्ति मिलती है। आनंद जब भी पाओगे अपने भीतर पाओगे।

खबर संक्षेप

विधिक जागरूकता विषय पर विशेष कार्यक्रम

अंबाला। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बलदेव नगर में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पॉक्सो अधिनियम-2012 एवं विधिक जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य सतबीर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम गीतांजलि गोयल रहीं।

मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन 31 को

अंबाला। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 24 जुलाई कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि रिवाईज्ड शैड्यूल के अनुसार मतदान केंद्रों का रेशनेलाइजेशन 24 जुलाई तक किया जाएगा। इसके उपरांत मतदाता सूचियों का प्रकाशन 31 जुलाई को कर दिया जाएगा।

पानी-सीवर के कनेक्शन लेने का आग्रह किया

अंबाला। कार्यकारी अभियंता हरभजन सिंह ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी नागरिकों से पीने के पानी एवं सीवर के स्वीकृत कनेक्शन लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि लोग सरकार की अधिसूचना के अनुसार निर्धारित विकल्पों में से किसी एक का चयन कर अपना कनेक्शन शीघ्र नियमित करवाएं। सिंह ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई उपभोक्ता अपना पानी एवं सीवर कनेक्शन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्वीकृत (मंजूर) नहीं करवाता है, तो विभाग द्वारा उसका पानी व सीवरेज का कनेक्शन काट दिया जाएगा।

फ्लाईओवर पर हादसे में युवक ने दम तोड़ा

अंबाला। नेशनल हाईवे-44 पर कैंट फ्लाईओवर के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने 25 वर्षीय एक युवक को बुरी तरह कुचल दिया। लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। खून से लथपथ हालत में राहगीरों व पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया तो युवक की मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

चलती बाइक से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत

अंबाला। इस्माइलपुर से मटहेड़ी जा रही देवर-भाभी की बाइक हादसे का शिकार हो गई। चौड़मस्तपुर के पास चलती बाइक से गिरने के कारण 30 वर्षीय महिला अनु की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। इस्माइलपुर के प्रिंस अपनी भाभी अनु (30) को बाइक पर मटहेड़ी छोड़ने जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब चौड़मस्तपुर के नजदीक पहुंचे तो अचानक पीछे बैठी अनु का संतुलन बिगड़ गया।

सेक्टर 7 में प्राइम लोकेशन पर पड़े प्लाट की खरीद फरोख्त को लेकर 1992 से चल रहा था अदालत में कानूनी विवाद

दस लाख में सुलझा 34 साल पुराना संपत्ति विवाद डीएलएसए ने मध्यस्थता से निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रयासों से तीन दशकों से अधिक समय से लंबित एक दीवानी विवाद को प्री-स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। इस 34 वर्ष पुराने जटिल मामले को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह-सचिव, डीएलएसए गीतांजलि गोयल और प्रशिक्षित मध्यस्थ रेखा वर्मा के अथक प्रयासों से सहमति से समाप्त कराया गया। यह विवाद अंबाला शहर के सेक्टर-7, के एक प्राइम एरिया में स्थित एक कीमती प्लॉट से जुड़ा था जो वर्ष 1992 से अदालत में लंबित था। विवाद तब शुरू हुआ जब याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी नंबर 1, 2 और 3 के पिता से यह प्लॉट खरीदा था। हालांकि याचिकाकर्ता से बयाना राशि प्राप्त करने के बाद मूल मालिक ने वही प्लॉट अधिक कीमत पर प्रतिवादी नंबर 4 को बेच दिया। इसके कारण यह लंबी मुकदमेंबाजी शुरू हुई। मुकदमें की लंबी अवधि के दौरान प्रतिवादी नंबर 1, 2 और 3 ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने दिवंगत पिता द्वारा किए गए इस लेन-देन की कोई जानकारी नहीं थी। अदालत में मामला लंबित होने के कारण, संपत्ति पर एक लंबे समय से स्टे चल रहा था। इसके परिणामस्वरूप प्रतिवादी नंबर 4 भी इस प्लॉट का उपयोग या उपभोग करने में असमर्थ थी। इस पूरे विवाद में प्रतिवादी नंबर 5 एचएसवीपी की कोई मुख्य भूमिका नहीं थी। लंबे समय से चल रही अदालती कार्रवाई और मानसिक तनाव को देखते हुए, इस मामले को डीएलएसए के स्तर पर सुलझाने का प्रयास किया । सीजेएम गीतांजलि गोयल और मध्यस्थ रेखा वर्मा की सूझबूझ और काउंसलिंग के बाद दोनों पक्ष आपसी समझौते के लिए तैयार हुए।

सीजेएम गीतांजलि और मध्यस्थ रेखा की सूझबूझ और काउंसलिंग के बाद दोनों पक्ष समझौते के लिए तैयार

अंबाला। सीजेएम के समक्ष विवाद सुलझाते दोनों पक्ष। फोटो : हरिभूमि

समाधान पर पूरी संतुष्टि व्यक्त की

समझौते की मुख्य शर्तों में याचिकाकर्ता सभी दावों के पूर्ण और अंतिम निपटान के रूप में प्रतिवादी नंबर 4 से 10,00,000 (दस लाख रुपये) की राशि प्राप्त करने पर सहमत हो गया। याचिकाकर्ता ने संपत्ति पर लगे स्टे ऑर्डर को वापस लेने पर अपनी सहमति दे दी जिससे प्लॉट कानूनी बाधाओं से मुक्त हो गया। दोनों पक्षों ने इस विवाद से उत्पन्न सभी लंबित मुकदमों और दावों को हमेशा के लिए बंद करने पर अपनी रजामंदी दी है। इस सफल समझौते ने 34 वर्षों से चली आ रही एक कड़वी कानूनी लड़ाई का सुखद अंत कर दिया है। दोनों पक्षों ने इस सौहार्दपूर्ण समाधान पर पूरी संतुष्टि व्यक्त की है। यह सफलता दर्शाती है कि मध्यस्थता प्रक्रिया कितनी प्रभावी है जो न केवल समय और पैसे की बचत करती है बल्कि आपसी संबंधों को भी बिगड़ने से बचाती है। अब इस समझौते के आधार पर अंतिम आदेश पारित करने के लिए इस मामले को अगस्त 2026 में सर्वोच्च न्यायालय की स्पेशल लोक अदालत पीठ के समक्ष रखा जाएगा।

गुरु रविदास की कही बातें श्री गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल

संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन का मंत्री अनिल विज ने किया अभिनंदन

अगर दुनिया संत रविदास की बातों पर विश्वास कर ले तो धरती स्वर्ग बन सकती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन का स्वागत करते मंत्री अनिल विज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि संत गुरू रविदास महाराज ने कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। यदि आपका मन ठीक है तो कुछ और करने की जरूरत नहीं और गंगा आप के बीच में बह रही है। यदि हम उनकी शिक्षाएं धारे तो आज सतयुग बन सकता है। विज अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जालंधर छावनी से वाराणसी तक आरंभ की गई सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस के बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जालंधर छावनी से प्रारंभ की गई इस ट्रेन में सवार सारे यात्री न केवल यहां से, बल्कि हिंदुस्तान से वाराणसी रविदास की जन्मस्थली पर जाते हैं। उनकी शिक्षाएं अब भी प्रासंगिक हैं। अगर विश्व उनकी कहीं बातों पर विश्वास कर लें तो यह युग कोई भी है, तो यह स्वर्ग बन सकता है। विज ने कहा कि गुरू रविदास की कही बातें श्री गुरू ग्रंथ साहिब में भी शामिल की गई हैं। उन्होंने जात-पात से ऊपर उठने, अपने आप को सबके सामान रखने सब सामान हो। रविदास ने यह भी कहा कि कोई भी कार्य छोटा व बड़ा नहीं होता। वो स्वयं जूते गांठने का काम करते थे। उन्होंने अपने आप को कभी यह नहीं माना कि वह कोई छोटा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा वह काम कर रहे हैं। काम काम होता है। कोई भी काम जो निष्ठा से करता है वह सब बराबर है। यह उन्होंने अपनी शिक्षाओं में कहा। अगर उनकी शिक्षाएं लोग धारे तो आज सतयुग बन सकता है। इससे पहले ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ संत रविदास एक्सप्रेस का स्वागत किया।

माफी मांगनी चाहिए

ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही उन्होंने ट्रेन व स्टाफ पर फूलों की बरखा कर व स्टाफ को मालाएं पहनाकर उनका छावनी स्टेशन पर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भी ट्रेन का स्वागत करने के उपरांत कहा कि यह दिन एतिहासिक है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में इस ट्रेन की सौगात लोगों को मिली हैं। यह बहुत पुरानी मांग थी जो पूरी हो गई है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर परिषद की चेयरपर्सन स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, पूर्व मंत्री संतोष चौहान सारवान, पूर्व विधायक राजबीर सिंह बराड़ा, भाजपा पदाधिकारी सुनील नदारिया, अनिल नागर, विजेंद्र चौहान, रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, रमन छतवाल, अनुज यादव, राजू बाली, प्रमोद, सन्नी तुली, बलजिंद्र सिंह, श्याम सुंदर अरोड़ा, आरती सहगल, रीना शाक्य, शिल्पा पासी, हिमांशु, दिवांश वालिया, सुनील शाक्या, लाडी कलरहेड़ी, सूरज राणा, अभिषेक धीमान, टिंकू राणा, रवि जाट आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नीला रंग देता है स्वतंत्रता व दूरदर्शिता की प्रेरणा

अंबाला। शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में ब्लू डे सेलिब्रेट किया गया । इस अवसर पर सभी बच्चे ब्लू ड्रेस पहन कर आए थे जिसमें वे बहुत ही सुंदर लग रहे थे। बच्चों को बताया गया कि ब्लू कलर का क्या महत्व है। ब्लू रंग शांति, स्थिरता, और विश्वसनीयता का प्रतीक माना जाता है। यह रंग आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और वफादारी को भी दर्शाता है। इसके अलावा, ब्लू कलर एक शांत और सुखदायक प्रभाव डालता है, जो तनाव को कम करने और एकाग्रता में सुधार करने में मदद कर सकता है। इस अवसर पर बच्चे ब्लू कलर के अलग-अलग ऑब्जेक्ट बनाकर लाए जैसे - डॉलफिन फिश ,काइट, बैलून,बटरफ्लाई, वेल,बोट। उनका उत्साह देखते ही बनता था। इस अवसर पर नर्सरी क्लास के बच्चों ने बहुत सुंदर डांस की प्रस्तुति दी और कुछ बच्चों ने कविता के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। तो वही एल के जी के बच्चों ने ब्लू है पानी-पानी गाने पर डांस किया ,तो वहीं यूकेजी के बच्चों ने अलग-अलग सोंग्स पर नृत्य करके सब का मनमोह लिया।

आधुनिक तकनीक से करवाया अवगत

बराड़ा। फोटोग्राफ़र एसोसिएशन की ओर से कस्बे के एक निजी रेस्तरां में फोटोग्राफरों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फोटोग्राफरों ने भाग लेकर आधुनिक फोटोग्राफी तकनीकों की जानकारी हासिल की। प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक शिवा बख्शी और ट्रेनर कर्ण, आरवी सिंह और आदित्य ने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी के क्षेत्र में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक कैमरों, उनके नए फीचर्स, विभिन्न ब्रांडों की खूबियों तथा बदलते दौर में बेहतर फोटोग्राफी के लिए आवश्यक तकनीकों और व्यावहारिक टिप्स साझा किए। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने बताया कि डिजिटल तकनीक के निरंतर विकास के साथ फोटोग्राफी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में फोटोग्राफरों को नई तकनीकों और आधुनिक उपकरणों की जानकारी होना बेहद आवश्यक है, ताकि वे ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कंपनियों के कैमरों के फीचर्स, उपयोग और तकनीकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

नई कार्यकारिणी ने सेवा कार्यों का लिया संकल्प

बराड़ा। रोटरी क्लब की नई कार्यकारिणी के इंस्टॉलेशन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रीटा कालड़ा मुख्यअतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ डॉ. संजय कालड़ा, एजी राजकुमार शर्मा, जेडएलएफ टीके. बजाज, चीफ एड टू डीजी एनपीएस. भोला, रोटेरियन संदीप जैन, डॉ. कुलभूषण शर्मा सहित हरपाल सिंह, राजकुमार सांगवान, दिलप्रीत सिंह, रघुबीर सिंह, रमेश सांगवान, साहिल वर्मा, कुलभूषण, राजेश धीमान, साहिल शर्मा, गैमल दहिया, पूर्ण छाबड़ा, गुरदीप सिंह, इंद्रजीत सिंह, संजीव सांगवान, रहमदीन, रणजीत सिंह, जसविंदर सिंह, जसदीप सिंह, कुलविंदर कौर, नवदीप कौर, रिचा शर्मा, गुरमीत कौर, प्रियंका वर्मा, मुस्कान, समरीत कौर और नीलू छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें बलकार सिंह कांबोज ने क्लब के प्रधान, साहिल वर्मा ने सचिव तथा दिलप्रीत सिंह ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। क्लब के पूर्व प्रधान हरपाल सिंह ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद लोगों की सहायता के क्षेत्र में क्लब द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी।

चंडीगढ़ को मिला अत्याधुनिक मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल

- एक ही छत के नीचे मिलेंगी विशेषज्ञों की संपूर्ण सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

उत्तर भारत में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार बढ़ रही हैं और चंडीगढ़ तेजी से एक प्रमुख हेल्थकेयर हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आरजे कॉर्प हेल्थकेयर ने चंडीगढ़ में 'कोकून हॉस्पिटल प्रीमियम मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल' का शुभारंभ किया है।यह हॉस्पिटल महिलाओं, गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यहां अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी, अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों और व्यक्तिगत देखभाल (पर्सनलाइज़्ड केयर) के साथ प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, नवजात शिशु की देखभाल और बच्चों के उपचार तक सभी आवश्यक सेवाएं एक स्थान पर उपलब्ध होंगी।आरजे कॉर्प हेल्थकेयर के फाउंडर एवं चेयरमैन रवि कांत जयपुरिया ने कहा,₹हमारा मानना है कि हर मां और हर बच्चे को सुरक्षित, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। इसी सोच के साथ कोकून हॉस्पिटल की शुरुआत की गई थी।

देश भगत विश्वविद्यालय श्रीनगर में करेगा मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी गोबिंदगढ़

देशभर के युवाओं को सार्थक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू), पंजाब द्वारा नेशंस डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनडीए), क्लस्टर विवि श्रीनगर, माय भारत जम्मू-कश्मीर, एनआईईएलआईटी श्रीनगर तथा हिमालयन क्लब ट्रस्ट के सहयोग से मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026 का आयोजन मंगलवार, 28 जुलाई को अमर सिंह कॉलेज, श्रीनगर में प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित रोजगार मेले में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम की घोषणा करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरावर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026 विवि की उस दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को देश की अग्रणी कंपनियों से जोड़कर क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान दिया जा रहा है।

विशेष लोक अदालत में 386 में से हुआ 216 मुकदमों का निपटारा

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश-कम-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित लंबित मामलों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से त्वरित निपटारा करना रहा। इस विशेष लोक अदालत में 386 मुकदमे रखें गए। 216 मुकदमे का निपटारा हुआ और 10,46,809/- राशि का भुगतान किया गया। जिससे पक्षकारों का समय एवं धन दोनों की बचत हुई। इस विशेष लोक अदालत का लाभ बहुत से लोगों ने उठाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

पत्र भेजकर सड़क को दुरुस्त करवाने की मांग

बदहाल सड़क की वजह से राहगीर बेहद परेशान

वार्ड नंबर-16 की सदस्य ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

बराड़ा। विभाग को लिखा शिकायत पत्र दिखाते हुए सदस्य।

वार्ड-16 की बदहाल सड़क और अंधेरे का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। क्षेत्र की नपा सदस्य गुरजिंदर कौर ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र भेजकर राजिंदर सिंह के घर से लेकर पूर्व सरपंच गुरदीप सिंह के घर के पास स्थित अंडरपास तक सड़क का निर्माण कराने तथा पूरे मार्ग पर फैंसी स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग

पत्र में कहा है कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। बरसात के दौरान सड़क के दोनों ओर दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है, जिससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। जलभराव के कारण सड़क लगातार टूट रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि यह मार्ग वार्ड के लोगों के साथ-साथ गुरुद्वारा साहिब बसंतपुरा आने-जाने वाली संगत के लिए भी प्रमुख संपर्क मार्ग है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से पूरा इलाका अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। गुरजिंदर कौर ने कहा कि यदि सड़क का निर्माण कर आधुनिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाती हैं तो जलभराव की समस्या दूर होने के साथ-साथ यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और क्षेत्र की सुंदरता व सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को शीघ्र स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

2.260 किलो ग्राम चरस समेत चार गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एंटी नारकोटिक्स सैल के प्रभारी उप निरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में जांच टीम ने दो अलग-अलग मामलों में तत्परता से कार्रवाई करते हुए कुल 2 किलो 260 ग्राम चरस और तस्करी में इस्तेमाल दो कारों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पहला मामला थाना बलदेव नगर का है। एएनसी टीम ने सूचना के आधार पर एनएच-44 पुल थाना बलदेव नगर क्षेत्र में नाकाबंदी कर एक कार को रोककर तलाशी लेने पर उसमें सवार दो आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 160 ग्राम चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष व विवेक निवासी फरीदाबाद के रूप में हुई है।

हेरोइन तस्करी मामले में विदेशी नागरिक पकड़ा

अंबाला। सीआईए-1 ने 102 ग्राम 05 मिलीग्राम हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य आरोपी और विदेशी नशा तस्कर को दिल्ली के द्वारका इलाके से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान नाइजीरिया के ओगोचुकवू स्टीफन उर्फ जोहन उर्फ टेगों के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिन 3 जून 2026 को सीआईए-1 की टीम ने थाना पड़ाव क्षेत्र के अंतर्गत टांगरी पुल (गांव शाहपुर) के पास से तीन नशा तस्करों को 102 ग्राम 5 मिलीग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने खुलासा किया था कि वे यह नशा दिल्ली में रहने वाले नाइजीरियाई मूल के तस्कर ओगोचुकवू स्टीफन से खरीदकर लाए थे। शुरुआती पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। सीआईए-1 प्रभारी निरीक्षक परमवीर ने बताया कि मुख्य विदेशी तस्कर को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयासरत थी। सूचना तंत्र और तकनीकी संसाधनों की मदद से सहायक उप निरीक्षक मनदीप सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 19 जुलाई 2026

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

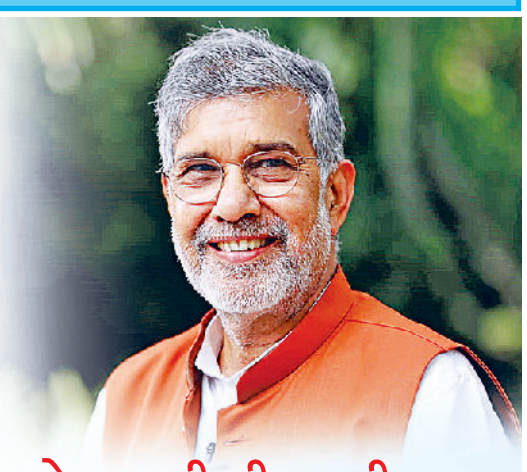

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लोक-संस्कृति / शिखर चंद जैन

दुनिया के अनेक देशों की संस्कृतियों में बादल और बारिश को उम्मीद, समृद्धि और जीवन का संदेशवाहक माना जाता है। इसी खुशी को अलग-अलग देशों में अनूठे उत्सवों, लोक-परंपराओं, प्रार्थनाओं, नृत्य और सामुदायिक अनुष्ठानों के जरिए उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। वर्षा ऋतु से जुड़े ऐसे ही कुछ उत्सवों पर एक नजर।

दुनिया भर में मनाते हैं रंग-बिरंगे वर्षा उत्सव

वर्षा प्रार्थना महोत्सव, वियतनाम

मार्च के शुष्क मौसम में वियतनाम के हा जियांग प्रांत में लो लो समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य और प्रार्थना के माध्यम से बादलों से पानी बरसाने की गुहार लगाते हैं। इसमें तांबे के प्राचीन ड्रम बजाना और पुजारी (शमन) द्वारा प्राकृतिक शक्तियों को प्रसन्न करने वाले मंत्रोच्चार शामिल होते हैं, जिसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन होता है। वियतनाम का एक अन्य श्वेत थाई अल्पसंख्यक समुदाय जेन, बारिश के आगमन पर फोन महोत्सव मनाता है। यह उत्सव उत्तर-पश्चिमी वियतनाम की माई चाऊ की खूबसूरत घाटी में होता है। इस उत्सव में गांव के लोग पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हैं, सामूहिक रूप में लोक गीत गाते हैं और अच्छी बारिश की कामना के लिए अनुष्ठान करते हैं। वियतनाम में रहने वाले जराई समुदाय के लोग प्ली ओई नामक वर्षा प्रार्थना उत्सव, किसी राष्ट्रीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल पर सामूहिक तौर पर मनाते हैं। यह आयुन हा कम्यून और जिया लाई प्रांत में मनाया जाता है। *

मकाहिकी उत्सव, अमेरिका

अमेरिका के हवाई द्वीप में मनाया जाने वाला मकाहिकी उत्सव वर्षा ऋतु, उर्वरता और शांति के देवता 'लोनो' को समर्पित है। चार महीनों तक चलने वाले इस पारंपरिक लोक उत्सव में कृषि कार्यों को रोककर दावतें, संगीत और पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। भरपूर वर्षा और उससे उपजी फसल के लिए देवता को धन्यवाद दिया जाता है। इस उत्सव के दौरान किसी भी तरह का विवाद, झगड़ा करना वर्जित होता है। सभी मिलकर प्रेम और सौहार्द के साथ सामूहिक तौर पर पहली बारिश का जश्न मनाते हैं। *

लोंगटैटो महोत्सव, चीन

चीन में मनाए जाने वाले पारंपरिक त्योहार लोंगटैटो में लोग बारिश के देवता माने जाने वाले 'ड्रैगन' के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित करते हैं, ताकि वे प्रसन्न रहें और उनकी कृपा से पूरे वर्ष कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती रहे। 'लोंगटैटो' का शाब्दिक अर्थ 'अजगर (ड्रैगन) का अपना सिर उठाना' होता है। प्राचीन काल में चीन के निवासियों का मानना था कि इस दिन के बाद बारिश बढ़ जाती है, क्योंकि बारिश लाने वाला ड्रैगन राजा अपनी सर्दियों की नींद से जाग जाता है। इस त्योहार की सबसे प्रसिद्ध परंपरा इस दिन बाल कटवाना है। चीनी लोगों का मानना है कि इस दिन नाई के पास जाने या बाल कटवाने से दुर्भाग्य दूर होता है और पूरे साल अच्छी किस्मत बनी रहती है। इस दिन लोग 'ड्रैगन' नाम से जुड़े या ड्रैगन के अंगों का प्रतीक माने जाने वाले व्यंजन खाते हैं, जैसे- ड्रैगन की मूंछों वाले नूडल्स (लॉन्गक्सू नूडल्स) और पकौड़ी, ताकि अच्छी फसल और मौसम के लिए अपने भोजन के जरिए भी प्रार्थना की जा सके। *

बरशा बंदोना, बांग्लादेश

हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में आषाढ़ महीने के पहले दिन मनाए जाने वाले इस उत्सव बरशा बंदोना में संगीत, कविता पाठ और साल की पहली बारिश में स्नान करने की अनूठी परंपरा है। इस उत्सव में ग्रामीण महिलाएं आसमानी नीले रंग की साड़ियां पहनकर बादलों का स्वागत करती हैं। वर्षा का आह्वान करती हैं। *

हरियाली तीज पर झूला झूलती महिलाएं

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व साओ जोआओ

भारत में मनाए जाने वाले वर्षा उत्सव

अपने देश भारत के अलग-अलग भागों में भी बारिश के आगमन पर, इसके स्वागत के लिए कई पारंपरिक उत्सव मनाए जाते हैं।

हरियाली तीजः राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों के ग्रामीण और आंचलिक क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति की हरियाली और बादलों का स्वागत करने के लिए हरियाली तीज पर्व मनाते हैं। इस पर्व से धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और व्रत रखती हैं। इसके अलावा आपसी समुदाय और आस-पड़ोस की महिलाएं किसी बाग-बगीचे में सामूहिक तौर पर झूला झूलती हैं और पारंपरिक लोकगीत गाती हैं।

साओ जोआओः मानसून की शुरुआत में गोवा में मनाया जाने वाला अनोखा त्योहार है, साओ जोआओ। इस पर्व में युवा मानसूनी बारिश के पानी से भरे कुओं और तालाबों में कूदकर प्रकृति के इस उपहार का जश्न मनाते हैं। इस उत्सव पर लोग सिर पर फलों के मुकुट भी पहनते हैं। इस तरह यह पर्व प्रकृति से हमारे जुड़ाव और उस पर निर्भरता को प्रकट करता है।

सापुतारा मानसून महोत्सवः गुजरात राज्य में मनाया जाने वाला सापुतारा मानसून महोत्सव, भारत के चुनिंदा उत्सवों में से है जो विशेष रूप से आसमान में तैरते बादलों, धुंध और बारिश के मनोरम मौसम को समर्पित है। इस पर्व से भी स्थानीय लोक संस्कृति की कई परंपराएं जुड़ी हुई हैं।

लक्ष्य निर्धारण से मिलेगी करियर में निश्चित सफलता

बदलते दौर में किसी करियर में सफल होने के लिए केवल मेहनत नहीं, बल्कि निश्चित लक्ष्य और सही दिशा का होना भी जरूरी है। स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को अवसर पहचानने, बेहतर निर्णय लेने और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हैं। अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, किस तरह उसे प्राप्त करें, बहुत उपयोगी सलाह।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

मशहूर करियर काउंसलर रिचर्ड एन. बोलस ने अपनी किताब 'व्हाट कलर इज योर पैराशूट' में लिखा है, 'करियर में ऊंची उड़ान भरनी है तो पहले अपनी मंजिल तय करें।' तकनीक, एआई, ऑटोमेशन और बदलते रोजगार बाजार ने करियर की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। आज सफलता केवल कड़ी मेहनत से नहीं मिलती बल्कि उस सही दिशा से मिलती है, जिसे लक्ष्य निर्धारण या गोल सेटिंग कहा जाता है।

लक्ष्य देता है स्पष्ट दिशाः मानव मस्तिष्क तब सबसे प्रभावी ढंग से काम करता है, जब उसे स्पष्ट उद्देश्य हासिल होता है। मनोविज्ञान बताता है कि लक्ष्य हमारे ध्यान, ऊर्जा और निर्णयों को एक दिशा में केंद्रित करते हैं। बिना लक्ष्य के व्यक्ति अनेक काम करता है, लेकिन उसकी ऊर्जा बिखर जाती है। जबकि स्पष्ट लक्ष्य उसे बताते हैं कि कौन-सा काम महत्वपूर्ण है और कौन-सा बिना किए भी चल जाएगा। यही कारण है कि उद्यमी, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासक अपने बड़े उद्देश्यों को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर काम करते हैं।

गोल सेटिंग से बढ़ती उत्पादकताः स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को समय का महत्व समझाता है। जब किसी व्यक्ति के पास निर्धारित लक्ष्य होता है, तो वह लगातार सीखने के लिए प्रेरित होता है। मसलन यदि किसी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनना है तो नेटवर्किंग, क्लाउड सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और एआई आधारित सुरक्षा प्रणालियों का लगातार अध्ययन करता है। वास्तव में यही सीखने की प्रवृत्ति भविष्य में उसकी बड़ी ताकत बनती है।

निर्णय लेना सीखिएः करियर में हर दिन छोटे-बड़े निर्णय लेने होते हैं- नई नौकरी स्वीकारें या नहीं, कौन-सा कोर्स करें, किस तकनीक को सीखें, किस अवसर को छोड़ दें? ये ऐसी बातें हैं जो हर उस व्यक्ति के सामने आती ही आती हैं, जो अभी अपने करियर में आगे बढ़ने की दिशा में होता है। ऐसे में यदि आपका लक्ष्य स्पष्ट है तो निर्णय लेना सरल हो जाता है, क्योंकि हर विकल्प को उसी कसौटी पर परखा जाता है कि वह हमें हमारे उद्देश्य के कितना निकट ले जाएगा।

छोटे-छोटे लक्ष्य प्राप्त करें: जब व्यक्ति छोटे लक्ष्य पूरा करता है तो उसका अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ने लगता है। वास्तव में यही आत्मविश्वास उसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और यही आत्मविश्वास बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसका आधार बनता है। करियर की लंबी यात्रा में यह मानसिक ताकत बेहद जरूरी होती है।

बदलें अपनी रणनीतिः जिन लोगों के पास कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वे एक समय के बाद ठहर जाते हैं। कोई परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं देती है। ऐसे में वे बार-बार असफल होने लगते हैं। लेकिन जिनके पास अपने लक्ष्य की स्पष्ट दिशा होती है, वे इन बातों से परेशान नहीं होते। वे अपनी रणनीति बदलते हैं, सीखते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं।

मजबूत नेटवर्क बनाएं: जब व्यक्ति के करियर का अपना लक्ष्य तय होता है, तो वह अपने तय लक्ष्य के वरिष्ठों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग मजबूत करता है, क्योंकि उसे पता होता है कि आज नहीं तो कल उसे इन्हीं के साथ काम करना है। यह नेटवर्क इसके लिए बहुत काम का साबित होता है। *

ऐसे डिसाइड करें टार्गेट

कुछ करियर काउंसलर लक्ष्य तय करने के मामले में एक स्मार्ट मॉडल अपनाने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार ऐसे लक्ष्य बनाएं, जो बिल्कुल स्पष्ट हों, जिसे हासिल किया जा सके, यानी जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल हों। लक्ष्य ऐसा हो, जो वर्तमान समय में प्रासंगिक करियर हो, जिस तक एक समयबद्ध रफ्तार से पहुंचा जा सके।

नेचुरल प्लेस / बाल मुकुंद ओझा

स्टेपिंग स्टोंस खूबसूरत रिवर क्रॉसिंग

लंदन, दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां अगर तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो तो यह अच्छे मौसम का परिचायक माना जाता है। लंदन प्रवास के दौरान एक दिन ऐसे ही अनुकूल मौसम का फायदा उठाते हुए हमने सपरिवार घूमने का प्रोग्राम बनाया और पहुंच गए बॉक्स हिल की तलहटी पर बहने वाली मोल नदी पर बने मशहूर स्टेपिंग स्टोंस पर।

खूबसूरत वॉकिंग प्लेसः मोल नदी, दक्षिणी इंग्लैंड में टेम्स नदी की एक सहायक नदी है। यह गैटविक एयरपोर्ट के पास वेस्ट ससेक्स में निकलती है और सरे शहर से उत्तर-पश्चिम में 80 किमी. बहकर हैंपटन कोर्ट पैलेस में टेम्स नदी तक पहुंचती है। यह नदी सरे जिले के मोल वैली को अपना नाम देती है। यह खूबसूरत वॉकिंग प्लेस, साउथ लंदन स्थित हमारे घर से लगभग 50 किमी. दूर ही है। स्टेपिंग स्टोंस, सरे काउंटी स्टेट के इस हिस्से में एक मशहूर जगह है और नदी को बहते हुए बिल्कुल करीब से देखने के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

इसे पार करना है रोमांचकः स्टेपिंग स्टोंस, पत्थरों का एक सेट है, जिसे एक काम चलाऊ रास्ता बनाने के लिए लगाया गया है। यह पैदल चलने वालों को एक प्राकृतिक नदी के रास्ते से होकर ले जाता है। ये स्टोन यानी पत्थर विक्टोरियन जमाने से बॉक्स हिल आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा स्थल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, पत्थर से पत्थर पर कदम रखते हैं और बिना फिसले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। ये बैलेंस ब्लॉक, शारीरिक गतिविधि और सक्रिय प्रयास को बढ़ावा देते हैं। विशेषकर बच्चे, किशोर और युवाओं को ये स्टेपिंग स्टोंस, पूरे शरीर के व्यायाम के लिए कूदने, खिंचाव, चढ़ाई और संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैंने भी नदी को इन लगभग 15 स्टेपिंग स्टोंस पर चलकर पार किया। कई बार बैलेंस बिगड़ा मगर तुरंत संभल भी गया। एक बारगी तो ऐसे लगा जैसे इस बार तो गिर ही जाऊंगा, मगर इन स्टेपिंग स्टोंस को आखिर पार कर ही लिया।

दूसरी तरफ हैं शानदार नजारेः एक बार स्टेपिंग स्टोन पार करने के बाद, रास्ता नदी के साथ-साथ चलता है, जहां से पानी और आस-पास की मंत्र मुग्ध कर देने वाली हरियाली के खूबसूरत नजारे दिखते हैं। बॉक्स हिल स्टेपिंग स्टोंस वॉक, सरे हिल्स नेशनल लैंडस्केप में 3.2 किमी. का हाइकिंग रूट है। लगभग 1 घंटे में 477 फीट की चढ़ाई चढ़ लेते हैं। वॉक का यह हिस्सा थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत रोमांचक है। *

मर्लिन मुनरो से इंस्पायर रहीं बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस

हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं मर्लिन मुनरों ने दुनिया भर के दर्शकों को ही नहीं, हिंदी सिनेमा की कई फेमस एक्ट्रेसेस को भी इंस्पायर किया। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल एक एक्ट्रेस को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस खूबसूरती, ग्लैमर और व्यक्तित्व के प्रभाव को समझने का भी समय है।

ग्लैमर आइकन

डी. जे. नंदन

साल 2026, 20वीं सदी की सबसे मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक मर्लिन मुनरो का जन्मशती वर्ष है। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल हॉलीवुड के लिए खास नहीं है, बॉलीवुड के लिए भी यह विशेष है। क्योंकि बॉलीवुड में भी मर्लिन मुनरो के ग्लैमर ने न केवल अपनी स्थाई छाप छोड़ी है बल्कि आज भी बॉलीवुड के ग्लैमर में मर्लिन मुनरो की साफ-साफ मौजूदगी देखी जा सकती है। हालांकि मर्लिन ने कभी-भी बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं की, लेकिन उनकी छवि, उनका ग्लैमर, उनका फैशन सेंस और कैमरे के सामने उनकी सहज आत्मविश्वास से भरी मौजूदगी ने बॉलीवुड की कई पीढ़ियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित किया है।

मधुबाला

जीनत अमान

बॉलीवुड पर प्रभावः वास्तव में 1950 और 1960 के दशक का भारतीय सिनेमा, परिवर्तन के दौर का सिनेमा था। पहले जहां नायिकाएं सादगी और पारंपरिक पहनावों तक सीमित रहती थीं, वहीं धीरे-धीरे आधुनिक परिधान, पश्चिमी फैशन और कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी नायिका पर्दे पर दिखाई देने लगीं, जिसमें मर्लिन मुनरो के ग्लैमर का साफ-साफ असर देखा जा सकता है। भारतीय फिल्मों की नायिकाओं ने मर्लिन मुनरो से बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ उनकी तरह बनने और ढलने की भी कोशिश की है। मर्लिन मुनरो की मुस्कान, कैमरे के सामने संवाद अदा करने का उनका अंदाज, बॉडी लैंग्वेज और फैशन ने भारतीय फिल्मकारों को यह एहसास कराया कि ग्लैमर भी अभिनय की भाषा का हिस्सा हो सकता है।

मर्लिन मुनरो से मधुबाला की तुलनाः बॉलीवुड की जिस नायिका पर सबसे पहला और सबसे ज्यादा मर्लिन मुनरो का असर दिखा, वह मधुबाला थीं। उस दौर में अकसर मधुबाला की तुलना मर्लिन मुनरो से की जाती थी। दोनों ही असाधारण सुंदर थीं, दोनों के पास सहज मुस्कान का जबर्दस्त जादू था और दोनों ही कम उम्र में असमय मृत्यु को प्राप्त हुईं। हिंदी सिनेमा के दर्शक मधुबाला को मर्लिन मुनरो की तरह देखते थे। हालांकि दोनों की अभिनय शैली और फिल्मी यात्रा एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी यह सच है कि दोनों अपने-अपने देशों में सौंदर्य और आकर्षण का स्थाई प्रतीक बन गईं। मधुबाला की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विकसित हुई, जबकि मर्लिन वैश्विक पॉप कल्चर की पहचान बनीं।

दीपिका पादुकोण

करीना कपूर

परवीन बॉबी-जीनत अमान पर प्रभावः परवीन बॉबी की भी तुलना कई संदर्भों में मर्लिन मुनरो से की जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि अगर पश्चिमी ग्लैमर की सबसे साफ झलक बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री में आजतक सबसे ज्यादा दिखी है, तो वह परवीन बॉबी ही थीं। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने भारतीय फिल्मों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और फैशनेबल महिला की नई छवि प्रस्तुत की थी। पश्चिमी परिधान, खुले विचार और कैमरे के सामने सहज आत्मविश्वास ने उन्हें उस दौर की सबसे अलग अभिनेत्री बना दिया था। ऐसे ही जीनत अमान ने एक दौर में न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पारंपरिक परिभाषा को बदला था बल्कि वह भी पश्चिमी फैशन, मर्लिन मुनरो की तरह बड़े-बड़े धूप के चश्मे, स्टाइलिश गाउन पहनने और आत्मविश्वास से बॉलीवुड की सिने स्क्रीन को अपनी मौजूदगी से चौंधिया दिया था। हालांकि जीनत अमान या परवीन बॉबी के बारे में यह नहीं कह सकते कि वे सीधे-सीधे मर्लिन मुनरो को कॉपी करती थीं। इन दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने मुनरो से प्रेरणा तो ली थी, लेकिन उन्होंने अपना ग्लैमर भारतीय संदर्भों में विकसित किया था।

इन एक्ट्रेसेस पर भी दिखा असरः 1980-90 के दशक में श्रीदेवी ने ग्लैमर और अभिनय का वैसा ही संतुलन पेश किया था, जैसा कभी मर्लिन मुनरो ने हॉलीवुड में किया था। श्रीदेवी के अभिनय में उनका गजब का आकर्षण शामिल होकर उन्हें अद्वितीय बनाता था। बाद की पीढ़ियों में करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण भी अपने ग्लैमर के प्रदर्शन में मर्लिन मुनरो से प्रेरित दिखाई पड़ी हैं। *

ड्रेसिंग स्टाइल-फोटो शूट पर भी दिखा असर

बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो का सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव किसी चीज पर पड़ा है, तो वह है कॉस्ट्यूम डिजाइन। यह अकारण नहीं है कि बॉलीवुड की हीरोइनों के बीच सफेद और आइवरी कलर के गाउन सबसे ज्यादा आकर्षण बिखेरते रहे हैं, जो कि मर्लिन मुनरो के सबसे ज्यादा पसंदीदा थे। मर्लिन मुनरो की तरह ही बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने हॉफ शोल्डर और हॉल्टर नेक ड्रेस को अपनी पहचान से बार-बार जोड़ा है। उन्हीं की तरह प्लेटिनम या हल्के सुनहरे बालों का प्रयोग, लाल लिपस्टिक, क्लासिक मेकअप तथा कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ पोज देने की शैली, ये सब कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने मर्लिन मुनरो से ही सीखा। ड्रेसिंग स्टाइल के अलावा फिल्म पत्रिकाओं में अनेक अभिनेत्रियों ने वैसे ही फोटो शूट कराए जैसे एक जमाने में मर्लिन मुनरो कराती थीं। घुमावदार रोशनी, क्लोज अप मुस्कान और क्लासिक हेयर स्टाइल, ये सभी प्रभाव बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो से ही आए हैं। आज भी कई सेलिब्रिटी फोटो शूट पोज में ओल्ड हॉलीवुड थीम अपनाते हैं, जिसमें मर्लिन मुनरो की शैली सबसे खास होती है।

बराक नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि ब्रह्मपुत्र के बाद उत्तर-पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि, संस्कृति और पारिस्थितिकी की दूसरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

पूर्वोत्तर भारत की दूसरी जीवन रेखा बराक नदी

विशिष्ट नदी

वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं व संस्कृतियां फली-फूली हैं। पूर्वोत्तर भारत की नदियों की बात करें, तो ब्रह्मपुत्र के बाद बराक नदी, दूसरी महत्वपूर्ण नदी है। बराक नदी के बारे में कहा जाता है कि यह केवल एक जलधारा नहीं है बल्कि एक जीवंत सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी का आधार है।

उद्गम और अपवाह तंत्रः बराक नदी मणिपुर से निकलती है और असम की बराक घाटी से होकर बहती है। बराक घाटी से आगे बढ़कर यह बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है और वहां यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। मणिपुर में जहां बराक नदी का जन्म होता है, वहां यह छोटी-छोटी धाराओं के रूप में आगे बढ़ती है और फिर आगे चलकर एक विशाल नदी का रूप ले लेती है। इसकी कुल लंबाई 900 किलोमीटर है और इसका प्रवाह क्षेत्र मणिपुर, मिजोरम और असम है। बांग्लादेश में घुसने के बाद यह दो धाराओं में बंट जाती है। एक सूरमा और दूसरा कुशियारा। जब यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बनकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, उस समय यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलधारा का रूप ले लेती है।

पारिस्थितिकीय महत्वः बराक नदी का बेसिन जैव-विविधता का समृद्ध केंद्र है। घने वनों, वेटलैंड और मैदानों से भरपूर इलाकों से गुजरती बराक नदी, दर्जनों किस्म की मछलियों, सैकड़ों किस्म के बहुरंगी पक्षियों और मीठे अन्न की उपजाऊ फसलों का समृद्ध ठिकाना है। इस नदी में नियमित बाढ़ आती है। लेकिन यह बाढ़ यहां जितना प्रत्यक्ष नुकसान करती है, उससे कई गुना ज्यादा अपने साथ उर्वरक मिट्टी लाकर खेती का जरिया भी बनती है।

पूर्वोत्तर की कृषि-अर्थव्यवस्था में योगदानः पूर्वोत्तर के कृषि जीवन में इस नदी का योगदान ब्रह्मपुत्र नदी से भी ज्यादा है। असम के लाखों लोगों के जीवन जीने का यह मुख्य आधार है। धान, जूट और सब्जियों की खेती, इस नदी के उर्वरक मिट्टी की देन है। बाढ़ के कारण यह हर साल जो उपजाऊ मिट्टी लेकर आती है, वह एक तरह से उत्तर पूर्व का खाद्यान्न भंडार भरती है। असल में यह नदी जल परिवहन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। बराक नदी केवल जल का नहीं बल्कि कृषि, रोजगार और आर्थिक स्थिरता का भी स्रोत है।

ऐ ति हा सि क - स मा जि क - सांस्कृतिक महत्वः बराक नदी के किनारे बसे गांवों में त्योहारों पर अकसर मेलों का आयोजन होता है, जो जल और प्रकृति दोनों के प्रति आस्था और श्रद्धा का आधार हैं। बराक नदी के किनारे बंगाली और दूसरे समुदायों का निवास है, जिनकी सांस्कृतिक पहचान में इस नदी का महत्वपूर्ण योगदान है। इतिहास में बराक नदी ने उत्तर-पूर्व को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया था। प्राचीन और मध्यकाल में यह व्यापारिक मार्ग रही है। सिलचर जैसा सांस्कृतिक शहर इसी नदी के किनारे विकसित हुआ है।

संरक्षण है जरूरीः उत्तर-पूर्व की यह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी कई तरह की समस्याओं, जैसे- प्रदूषण, अवैध रेत खनन, जलवायु परिवर्तन आदि का सामना कर रही है। यदि इसका संरक्षण न हुआ तो पूर्वोत्तर भारत की यह दूसरी जीवनरेखा संकट में पड़ सकती है। *